Need to set up Counselling Centre and Mental Wellness Centre in Gauhati Parliamentary Constituency-Laid

श्रीमती क्वीन ओझा (गौहाटी): आज दुनिया में बढ़ती प्रतियोगिता और भारतीयों की व्यस्त जीवन शैली, चिन्ता का विषय है । यह बच्चे, बुर्जग और जवानों को मानसिक रोगी बना देती है । जीवन जीने की शैली और हर क्षेत्र में बढ़ती प्रतियोगिता भी मानसिक रोगी होने का एक कारण है । नेशनल मेंटल हैल्थ सर्वे आफॅ इंण्डिया के अनुसार इसमें 45 साल के ऊपर के व्यक्ति ज्यादा प्रभावित होते हैं । आँकडों के अनुसार प्रत्येक छठा भारतीय व्यक्ति इससे प्रभावित है । राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2020 दर्शाता है कि हमारे देश में ऐसे करीब 22 करोड़ नागरिक हैं जिन्हें मानसिक स्वास्थ्य कल्याण के लिए देखभाल और सहायता की आवश्यकता है । इनके अतिरिक्त 70 से 90 फीसद लोग सही समय पर उचित चिकित्सीय सहायता न मिलने के कारण डिप्रैशन का शिकार हो गये हैं । अत: मेरा अनुरोध है कि ऐसी परिस्थिति से निबटने के लिए हर जिले में काउंसलिंग सेंटर, मेंटल वेलनेस सेंटर बनाये जाएँ व जगह जगह सेमिनारों के माध्यम से जनता को जागरूक बनाए जाए व वृहत पैमाने पर अभियान चलाया जाए, जिससे मानसिक संतुलन खो रहे नागरिक पुन सामान्य जीवन जी सकें ।